अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 31 श्री विजय पुरम, रविवार, 01 फ़रवरी 2026 web: dt.andaman

# शहीद द्वीप में शुष्क मौसम की खेती पर किसान जागरूकता कार्यक्रम संचालित

श्री विजय पुरम, 31 जनवरी

आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई) की कृषि मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाई (एएमएफयू) द्वारा 29 जनवरी, 2026 को शहीद द्वीप में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) एवं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की एक संयुक्त पहल है। कार्यक्रम का विषय "शुष्क मौसम में सफल खेती: ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के माध्यम से मौसम जागरूकता एवं जल प्रबंधन" रहा। इस कार्यक्रम में शहीद द्वीप के रामनगर, भरतपुर एवं लक्ष्मणपुर गांवों के कुल 33 किसानों ने भाग लिया, जिनमें 5 महिला किसान भी शामिल थीं। किसानों के अतिरिक्त ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य तथा कृषि विभाग के अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे, जिससे समुदाय की मजबूत सहभागिता परिलक्षित हुई।

किसानों को संबोधित करते हुए डॉ. अभिलाष, वैज्ञानिक (कृषि मौसम विज्ञान) एवं जीकेएमएस के प्रधान अन्वेषक ने बताया कि जनवरी से अप्रैल के दौरान द्वीपों में वर्षा अत्यंत कम रहती है, जिसके कारण सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता सीमित हो जाती है।

डॉ. हेमारेड्डी थिम्मारेड्डी (तकनीकी अधिकारी, जीकेएमएस) ने कृषि–मौसम परामर्श अपनाने के लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि मौसम आधारित निर्णय लेने से किसान फसल उत्पादन बढ़ा सकते हैं, सिंचाई जल की बचत कर सकते हैं, खेती की लागत कम कर सकते हैं, मौसम से होने वाले नुकसान को घटा सकते हैं तथा समय पर कृषि कार्य कर सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूरा कार्यक्रम डॉ. आई. जयशंकर (प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रभाग) द्वारा, डॉ. जय सुन्दर, निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में समन्वित किया गया। कार्यक्रम को प्रतिभागी किसानों द्वारा सराहा गया और उन्होंने शुष्क मौसम के दौरान कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए मौसम आधारित परामर्श अपनाने में गहरी रुचि व्यक्त की।